भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2826

जिसका उत्तर 12.08.2026 को दिया जाना है

भद्राचलम-विशाखपट्टणम गलियारा

2826. श्री रविचंद्र वद्दीराजू:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने भद्राद्रि कोठागुडेम जिले के भद्राचलम से चिंतूर और सिलेरू होते हुए विशाखपट्टणम तक सड़क गलियारे के संबंध में किसी प्रस्ताव की जांच की है, जो जनजातीय समुदायों द्वारा परंपरागत रूप से प्रयुक्त मार्ग है तथा तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के दूरदराज के क्षेत्रों को जोड़ता है;

(ख) क्या सरकार जनजातीय तथा वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से प्रभावित क्षेत्रों में संपर्क -सुविधा में सुधार के महत्व को मान्यता देती है; और

(ग) क्या राष्ट्रीय राजमार्ग विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत इस गलियारे के स्तरोन्नयन का कोई प्रस्ताव है और इसके व्यवहार्यता अध्ययनों, अनुमानित लागत, समय-सीमा और अनुमोदन की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ग) सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को समय-समय पर विभिन्न राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) से राज्यीय सड़कों के राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) के रूप में उन्नयन/घोषित करने के लिए प्रस्ताव प्राप्त होते हैं, जिसमें जनजातीय और वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित क्षेत्र भी शामिल हैं। एनएच की घोषणा के व्यापक सिद्धांतों, संपर्कता की आवश्यकता, अन्य बातों के साथ-साथ, जनजातीय और वामपंथी उग्रवाद क्षेत्र, यातायात सघनता और पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) के साथ तालमेल के आधार पर समय-समय पर राज्यीय सड़कों को एनएच के रूप में अधिसूचित करने के लिए निर्णय लिए जाते हैं।

सरकार ने आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना राज्यों में एलडब्ल्यूई प्रभावित क्षेत्रों में सड़क संपर्कता योजना के तहत 2170 करोड़ रुपये और जनजातीय उप योजना (टीएसपी) के तहत 1711 करोड़ रुपये की कई परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

भद्राचलम और विशाखापत्तनम को भद्राचलम से चिंटूर तक एनएच-30 द्वारा जोड़ा गया है (जो पहले से ही पेव्ड शोल्डर सहित 2 लेन में विकसित हो चुका है), और उसके बाद राज्यीय सड़क द्वारा सिलेरु, चिंटापल्ली, नरसीपट्टनम और तल्लापलेम से गुजरती है, जहां यह एनएच-16 से जुड़ती है। एनएच-16 पहले से ही छह लेन में विकसित हो चुका है, जो विशाखापत्तनम से होकर गुजरता है।

*****